लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 18:10:2019 पृष्ठ सं. 21 कॉलम 2:3

नुक्कड़ नाटक से मतदान के प्रति जागरूक किया

नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करते विद्यार्थी। • जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मुहिम चलाए हुए है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के तहत नुक्कड़ नाटक व रैली का आयोजन किया गया, जिसमें एचएयू के सभी कालेजों से छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि भारत सबसे बड़े लोकतंत्र का प्रगतिशील देश है मतदान ही लोकतंत्र का आधार है। मतदाता लोकतंत्र की रीढ़ की हड्डी है। चुनावी लोकतंत्र में वोट का बहुत महत्व होता है। वोट सिर्फ उम्मीदवारों की जीत तय नहीं करते बल्कि लोकतंत्र का भविष्य भी तय करते है। वोट करना जनता का अधिकार भी है और कर्तव्य भी। उन्होंने कहा भारत युवाओं का देश है एक खूबसूरत व मजबूत भारत के निर्माण में युवाओं का अहम योगदान है। मतदाताओं को जागरूक करने के लिए एचएयू के स्वर्ण जयंती द्वार, टाउन पार्क, बस स्टैंड व राजगुरु मार्केट में नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। नाटक के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने लोगों को वोट की महत्ता के बारे में बताया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने हिन्दी व अंग्रेजी के पोस्टर भी प्रदर्शित किए। विद्यार्थियों ने जन जन की पुकार है, वोट देना हमारा अधिकार है। बूढे हो या जवान, सभी करो मतदान आदि नारों द्वारा शहरवासियों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान डीएसडब्ल्यू डा. डीएस दहिया, डा. जीतराम शर्मा, डा. ओमेन्द्र सांगवान, डा. सतीश कश्यप, डा. संध्या शर्मा, डा. देवेन्द्र सिंह, डा. आरके गौड़ आदि उपस्थित रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ....नभ छोर....
दिनांक ...17.10.2019.... पृष्ठ सं. ....6.... कॉलम ....1-4....

हकृवि विद्यार्थियों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से मतदान के लिए जागरूक किया

हिसार/17 अक्टूबर/रिपोर्टर
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने की कड़ी में छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक व रैली का आयोजन किया गया जिसमें सभी कालेजों से विद्यार्थियों ने भाग लिया। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि भारत सबसे बड़े लोकतंत्र का प्रगतिशील देश हैं मतदान ही लोकतंत्र का आधार है। मतदाता लोकतंत्र की रीढ़ की हड्डी हैं। चुनावी लोकतंत्र में वोट का बहुत महत्व होता है। वोट सिर्फ उम्मीदवारों की जीत तय नहीं करते बल्कि लोकतंत्र का भविष्य भी तय करते हैं। वोट करना जनता का अधिकार भी है और कर्त्तव्य भी। उन्होंने कहा भारत युवाओं का देश है एक खूबसूरत व मजबूत भारत के निर्माण में युवाओं का अहम योगदान है व मतदान से अपने मौलिक अधिकार का प्रयोग करने के साथ-साथ देश की प्रगति में अपना अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए वोट को एक महत्वपूर्ण संपत्ति मानते हुए मतदान अवश्य करें। मतदाताओं को जागरूक करते हुए विद्यार्थियों ने कहा कि यदि हम अपने मत का उपयोग नहीं करते तो हमें गलत प्रशासन के प्रति आलोचना करने का कोई अधिकार नहीं है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डीएस दहिया ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए एचएयू के स्वर्ण जयंती द्वार, टाऊन पार्क, बस स्टैंड व राजगुरू मार्के ट में नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। नाटक के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने लोगों को वोट की महत्ता के बारे में बताया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने हिन्दी व अंग्रेजी के पोस्टर भी प्रदर्शित किए। विद्यार्थियों ने जन जन की पुकार है, वोट देना हमारा अधिकार है। बूढ़े हो या जवान, सभी करो मतदान आदि नारों द्वारा शहरवासियों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. जीतराम शर्मा, डॉ. ओमेन्द्र सांगवान, डॉ. सतीश कश्यप, डॉ. संध्या शर्मा, डॉ. देवेन्द्र सिंह व डॉ. आरके गौड़ आदि उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी, दैनिक भास्कर

दिनांक 18.10.2019 पृष्ठ सं. 3, 2 कॉलम 5.7, 1

नुक्कड़ नाटक के जरिए चलाया मतदाता जागरूकता अभियान

हिसार, 17 अक्तूबर (ब्यूरो): चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मुहिम चलाए हुए है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक व रैली का आयोजन किया गया, जिसमें एच.ए.यू. के सभी कालेजों से छात्रों ने भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि भारत सबसे बड़े लोकतंत्र का प्रगतिशील देश है मतदान ही लोकतंत्र का आधार है। मतदाता लोकतंत्र की रीढ़ है। चुनावी लोकतंत्र में वोट का बहुत महत्व होता है। वोट सिर्फ उम्मीदवारों की जीत तय नहीं करते बल्कि लोकतंत्र का भविष्य भी तय करते हैं। छात्र कल्याण निदेशक डा. डी.एस. दहिया ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए एच.ए.यू. के स्वर्ण जयंती द्वार, टाऊन पार्क, बस स्टैंड व राजगुरु मार्कीट में नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। नाटक के माध्यम से छात्रों ने लोगों को वोट की महत्ता के बारे में बताया। कार्यक्रम के दौरान डा. जीतराम शर्मा, डा. ओमेंद्र सांगवान, डा. सतीश कश्यप, डा. संध्या शर्मा, डा. देवेंद्र सिंह व डा. आर.के. गौड़ आदि उपस्थित थे।

नुक्कड़ नाटक से मतदाताओं को छात्रों ने किया अवेयर

हिसार | चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मुहिम चलाए हुए है। इसी कड़ी में एचएयू के छात्र कल्याण निदेशालय की ओर से मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक व रैली का आयोजन किया गया, जिसमें एचएयू के सभी कॉलेजों से छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया। एचएयू के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि भारत सबसे बड़े लोकतंत्र का प्रगतिशील देश है मतदान ही लोकतंत्र का आधार है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डी.एस. दहिया ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. जीतराम शर्मा, डॉ. ओमेन्द्र सांगवान, डॉ. सतीश कश्यप, डॉ. संध्या शर्मा, डॉ. देवेन्द्र सिंह व डॉ. आरके गौड़ आदि उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.......हैलो हिसार.......
दिनांक 17.10.2019...... पृष्ठ सं.......2........ कॉलम.....1-4......

हकृवि के छात्र-छात्राओं ने मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मुहिम चलाई : प्रो. के पी सिंह

हिसार: 17 अक्तुबर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मुहिम चलाए हुए है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत नुकड़ नाटक व रैली का आयोजन किया गया जिसमें एचएयू के सभी कालेजों से छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने कहा कि भारत सबसे बड़े लोकतंत्र का प्रगतिशील देश है मतदान ही लोकतंत्र का आधार है। मतदाता लोकतंत्र की रीढ़ की हड्डी है। चुनावी लोकतंत्र में वोट का बहुत महत्व होता है। वोट सिर्फ उम्मीदवारों की जीत तय नहीं करतें बल्कि लोकतंत्र का भविष्य भी तय करते है। वोट करना जनता का अधिकार भी है और कर्तव्य भी। उन्होंने कहा भारत युवाओं का देश है एक खुबसूरत व मजबूत भारत के निर्माण में युवाओं का अहम योगदान है। मतदान से अपने मौलिक अधिकार का प्रयोग करने के साथ-साथ देश की प्रगति में अपना अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए मतदाताओं से अपील करता हूं कि वोट को एक महत्वपूर्ण संपत्ति मानते हुए मतदान अवश्य करें। मतदाताओं को जागरूक करते हुए विद्यार्थियों ने कहा कि यदि हम अपने मत का उपयोग नहीं करते तो हमें गलत प्रशासन के प्रति आलोचना करने का कोई अधिकार नहीं है। छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डी.एस. दहिया ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए एचएयू के स्वर्ण जयंती द्वार, टाउन पार्क, बस स्टेंड व राजगुरू मार्केट में नुकड़ सभा का आयोजन किया गया। नाटक के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने लोगों को वोट की महत्ता के बारे में बताया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने हिन्दी व अंग्रजी के पोस्टर भी प्रदर्शित किए। विद्यार्थियों ने जन जन की पुकार है, वोट देना हमारा अधिकार है। बुढ़े हो या जवान, सभी करो मतदान आदि नारों द्वारा शहरवासियों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. जीतराम शर्मा, डॉ. ओमेन्द्र सांगवान, डॉ. सतीश कश्यप, डॉ. संध्या शर्मा, डॉ. देवेन्द्र सिंह व डॉ. आर.के. गौड़ आदि उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम [illegible]

दिनांक 17.10.2019 पृष्ठ सं. 3 कॉलम 1-5

वोट करना जनता का अधिकार और कर्तव्य कुलपति

हिसार, 17 अक्तूबर (निस)। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मुहिम चलाए हुए है। इसी कड़ी में विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत नुक्कड़ नाटक व रैली का आयोजन किया गया जिसमें एचएयू के सभी कालेजों से छात्र-छात्राओं ने बढ़चढ़ कर भाग लिया।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि भारत सबसे बड़े लोकतंत्र का प्रगतिशील देश है मतदान ही लोकतंत्र का आधार है। मतदाता लोकतंत्र की रीढ़ की हड्डी है। चुनावी लोकतंत्र में वोट का बहुत महत्व होता है। वोट सिर्फ उम्मीदवारों की जीत तय नहीं करते बल्कि लोकतंत्र का भविष्य भी तय करते है। वोट करना जनता का अधिकार भी है और कर्तव्य भी। उन्होंने कहा भारत युवाओं का देश है एक खूबसूरत व मजबूत भारत के निर्माण में युवाओं का अहम योगदान है। मतदान से अपने मौलिक अधिकार का प्रयोग करने के साथ-साथ देश की प्रगति में अपना अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसलिए मतदाताओं से अपील करता हूं कि वोट को एक महत्वपूर्ण संपत्ति मानते हुए मतदान अवश्य करें। मतदाताओं को

जागरूक करते हुए विद्यार्थियों ने कहा कि यदि हम अपने मत का उपयोग नहीं करते तो हमें गलत प्रशासन के प्रति आलोचना करने का कोई अधिकार नहीं है।

छात्र कल्याण निदेशक डॉ. डीएस दहिया ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा मतादाताओं को जागरूक करने के लिए एचएयू के स्वर्ण जयंती द्वार, टाउन पार्क, बस स्टैंड व राजगुरू मार्केट में नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया। नाटक के माध्यम से छात्र-छात्राओं ने लोगों को वोट की महत्ता के बारे में बताया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने हिन्दी व अंग्रजी के पोस्टर भी प्रदंशित किए। विद्यार्थियों ने जन जन की पुकार है, वोट देना हमारा अधिकार है। बुढ़े हो या जवान, सभी करो मतदान आदि नारों द्वारा शहरवासियों को मतदान करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. जीतराम शर्मा, डॉ. ओमेन्द्र सांगवान, डॉ. सतीश कश्यप, डॉ. संध्या शर्मा, डॉ. देवेन्द्र सिंह व डॉ. आर.के. गौड़ आदि उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर

दिनांक 18:10:2019 पृष्ठ सं 2 कॉलम 2

कपास की अच्छी फसल के लिए टपका सिंचाई अपनाएं : डॉ. कैरो

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर के निर्देशक डॉ. एमएस कैरो ने सस्य विज्ञान विभाग में वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं से एक परस्पर संवादात्मक सत्र के दौरान कपास के परिद्रश्य व कपास फसल उत्पादन की नई तकनीकों के बारे में अनुभव व विचार सांझा किए।

सत्र में डॉ. कैरों ने कपास उत्पादन में हरियाणा तथा भारत की वर्तमान स्थिति, चल रहे शोध कार्यों तथा भविष्य में उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर विचार-विमर्श किया। वैज्ञानिकों से बातचीत में उन्होंने कपास के अधिकतम उत्पादन में आने वाली रुकावटें औ उनके संभावित प्रबंधन पर अपने अनुभव सांझा करते हुए वैज्ञानिकों व छात्रों से जैव विविधता के संरक्षण व वृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का अनुरोध किया। भारत में कपास का क्षेत्र दुनिया में सबसे ज्यादा है लेकिन उत्पादकता के हिसाब से ऑस्ट्रेलिया से एक चौथाई। अपने भाषण में डॉ. कैरों ने बताया कि स्थायी उत्पादन के लिए अनउपयुक्त क्षेत्रों में संकर किस्म को प्रतिबंधित करें। सटीक रोपण, उत्तर-दक्षिण उन्मुख पंक्ति दिशा में रोपण से उपज में वृद्धि, सतत उत्पादन के लिए मल्चिंग और जल प्रबंधन के तहत प्लास्टिक मल्चिंग व टपका सिंचाई को अपनाए। संरक्षण जुताई, कवर फसलों, फसल अवशेषों का पुनर्चक्रण, परिशुद्धता व रासायनिक इनपुट प्रबंधन-प्रौद्योगिकीय जगह पर पारिस्थितिक दृष्टिकोण रखें। लघु अवधि की किस्में व अंतर-फसल को अपनाने से लाभ उठाएं। सस्य विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. समुंदर सिंह ने स्वागत व धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........हरि. भूमि........
दिनांक 18. 10. 2019..... पृष्ठ सं. 12 .... कॉलम 2-4

कपास के परिदृश्य व उत्पादन की नई तकनीकों पर अनुभव किए साझा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर के निर्देशक डॉ. एमएस कैरो ने सस्य विज्ञान विभाग में वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं से एक परस्पर संवादात्मक सत्र के दौरान कपास के परिदृश्य व कपास फसल उत्पादन की नई तकनीको के बारे में अपने अनुभव व विचार साझा किए।

सत्र में डॉ. कैरों ने कपास उत्पादन में हरियाणा तथा भारत की वर्तमान स्थिति, चल रहे शोध कार्यो तथा भविष्य में उत्पन होने वाली समस्याओं पर विचार विमर्श किया। वैज्ञानिकों से बातचीत में उन्होंने कपास के अधिकतम उत्पादन में आने वाली रूकावटें तथा उनके संभावित प्रबंधन पर अपने अनुभव साझा करते हुए वैज्ञानिको व छात्रों से जैव विवधता के संरक्षण व वृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि भारत मे कपास का क्षेत्र दुनिया मे सबसे ज्यादा है लेकिन उत्पादकता के हिसाब से ऑस्ट्रेलिया से एक चौथाई। अपने भाषण में डा. कैरों ने बताया कि स्थायी उत्पादन के लिए अनउपयुक्त क्षेत्रों में संकर किस्म को प्रतिबंधित करें। प्रारंभिक जल्दी बढ़ने वाली सघन अमेरिकन कपास की किस्में (बीटी के साथ) और सूखे क्षेत्र में लंबे लिंट वाली-देसी कपास की किस्में का रोपण करें। डॉ. कैरों ने आह्वान किया कि सटीक रोपण, उत्तर-दक्षिण उन्मुख पंक्ति दिशा में रोपण से उपज में वृद्धि, सतत उत्पादन के लिए मल्चिंग और जल प्रबंधन के तहत प्लास्टिक मल्चिंग व टपका सिंचाई को अपनाएं। संरक्षण जुताई, कवर फसलों, फसल अवशेषों का पुनर्चक्रण, परिशुद्धता व रासायनिक इनपुट प्रबंधन-प्रौद्योगिकिय जगह पर पारिस्थितिक दृष्टिकोण रखें। लघु अवधि की किस्में व अंतर-फसल को अपनाने से लाभ उठाएं। सस्य विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. समुंदर सिंह ने स्वागत व धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी
दिनांक 18.10.2019 पृष्ठ सं 3 कॉलम 4-7

कपास उत्पादन की नई तकनीकों बारे दी जानकारी

हिसार, 17 अक्तूबर (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर के निर्देशक डॉ. एम.एस. कैरो ने सस्य विज्ञान विभाग में वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं से एक परस्पर संवादात्मक सत्र के दौरान कपास के परिदृश्य व कपास फसल उत्पादन की नई तकनीकों के बारे में अपने अनुभव व विचार सांझा किए। सत्र में डॉ. कैरों ने कपास उत्पादन में हरियाणा तथा भारत की वर्तमान स्थिति, चल रहे शोध कार्यों तथा भविष्य में उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर विचार-विमर्श किया। वैज्ञानिकों से बातचीत में उन्होंने कपास के अधिकतम उत्पादन में आने वाली रुकावटें तथा उनके संभावित प्रबंधन पर अपने अनुभव सांझा करते हुए वैज्ञानिकों व छात्रों से जैव विविधता के संरक्षण व वृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का अनुरोध किया।

डॉ. एम.एस. कैरो का स्वागत करते हुए।

भारत मे कपास का क्षेत्र दुनिया मे सबसे ज्यादा है लेकिन उत्पादकता के हिसाब से ऑस्ट्रेलिया से एक चौथाई। डा. कैरों ने बताया कि स्थायी उत्पादन के लिए अनउपयुक्त क्षेत्रों में संकर किस्म को प्रतिबंधित करें। प्रारंभिक जल्दी बढ़ने वाली सघन अमरीकन कपास की किस्में (बी.टी. के साथ) और सूखे क्षेत्र में लंबे लिंट वाली-देसी कपास की किस्में का रोपण करें। सटीक रोपण, उत्तर-दक्षिण उन्मुख पंक्ति दिशा में रोपण से उपज में वृद्धि, सतत उत्पादन के लिए मल्चिंग और जल प्रबंधन के तहत प्लास्टिक मल्चिंग व टपका सिंचाई को अपनाएं। संरक्षण जुताई, कवर फसलों, फसल अवशेषों का पुनर्चक्रण, परिशुद्धता व रसायनिक इनपुट प्रबंधन-प्रौद्योगिकिय जगह पर पारिस्थितिक दृष्टिकोण रखें। लघु अवधि की किस्में व अंतर-फसल को अपनाने से लाभ उठाएं।

सस्य विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. समुंदर सिंह ने स्वागत व धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। उन्होंने डा. कैरो को स्मृति चिन्ह भेंट किया तथा वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं से किसान कल्याण के लिए कार्य करते रहने को प्रेरित किया। इस अवसर पर सस्य विज्ञान विभाग के प्रमुख, विभाग के वैज्ञानिकगण तथा विद्यार्थी उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 18:10:2019 पृष्ठ सं 17 कॉलम 1-2

एक नजर में

कपास उत्पादन की नई तकनीकों के बारे में विचार साझा किए

कार्यक्रम में डा. एमएस कैरो का स्वागत करते हुए।

हिसार : हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में नागपुर स्थित केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान के निर्देशक डा. एमएस कैरो ने सस्य विज्ञान विभाग में वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं से एक परस्पर संवादात्मक सत्र आयोजित किया। इस दौरान कपास के परिदृश्य व कपास फसल उत्पादन की नई तकनीकों के बारे में अपने अनुभव व विचार साझा किए। सत्र में डॉ. कैरो ने कपास उत्पादन में हरियाणा तथा भारत की वर्तमान स्तिथि, चल रहे शोध कार्यों तथा भविष्य में उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर विचार विमर्श किया। वैज्ञानिकों से बातचीत में उन्होंने कपास के अधिकतम उत्पादन में आने वाली रूकावटें तथा उनके संभावित प्रबंधन पर अपने अनुभव साझा करते हुए वैज्ञानिकों व छात्रों से जैव विविधता के संरक्षण व बढ़ोत्तरी के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का अनुरोध किया। भारत मे कपास का क्षेत्र दुनिया मे सबसे ज्यादा है मगर उत्पादकता के हिसाब से ऑस्ट्रेलिया से एक चौथाई है। इस दौरान सस्य विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. समुंद्र सिंह भी उपस्थित रहे। (जासं)

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम.....अमर उजाला.....
दिनांक 18. 10. 2019 ..... पृष्ठ सं. 6 ..... कॉलम 7 .....

छात्रों को कपास फसल उत्पादन की नई तकनीकों के बारे में बताया

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान नागपुर के निदेशक डॉ. एमएस कैरों ने शस्य विज्ञान विभाग में वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं से परस्पर संवादात्मक सत्र के दौरान कपास के परिदृश्य व कपास फसल उत्पादन की नई तकनीकों के बारे में अनुभव व विचार साझा किए।

सत्र में डॉ. कैरों ने कपास उत्पादन में हरियाणा और भारत की वर्तमान स्थिति, चल रहे शोध कार्यों और भविष्य में उत्पन्न होने वाली समस्याओं पर विचार विमर्श किया। वैज्ञानिकों से बातचीत में उन्होंने कपास के अधिकतम उत्पादन में आने वाली रुकावटें और उनके संभावित प्रबंधन पर अपने अनुभव साझा करते हुए वैज्ञानिकों व छात्रों से जैव विविधता के संरक्षण व वृद्धि के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का अनुरोध किया।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम सिटी पल्स
दिनांक 17.10.2015 पृष्ठ सं 3 कॉलम 1-2

लघु अवधि की किस्में व अंतर-फसल को अपनाकर उठाएं लाभ : डॉ. कैरो

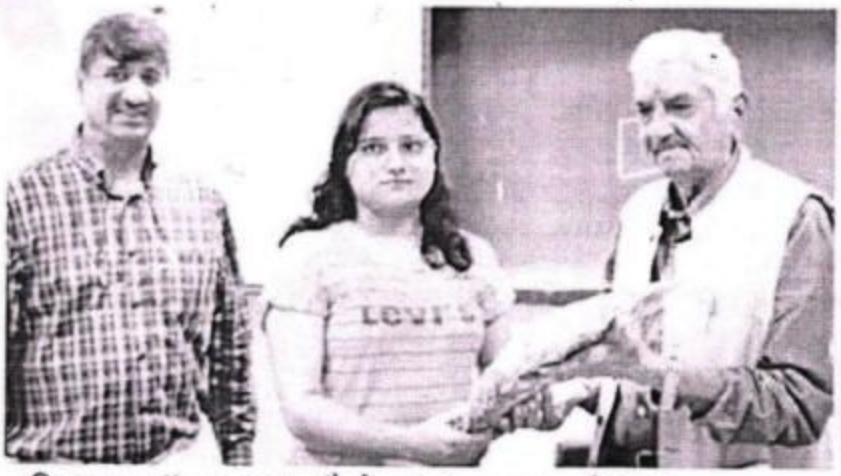

हिसार। डॉ. एम.एस. कैरो का स्वागत करते हुए।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कृषि महाविद्यालय में केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान, नागपुर के निर्देशक डॉ. एम.एस. कैरो ने सस्य विज्ञान विभाग में वैज्ञानिको व छात्र- छात्राओं से एक परस्पर संवादात्मक सत्र के दौरान कपास के परिदृश्य व कपास फसल उत्पादन की नई तकनीकों के बारे में अपने अनुभव व विचार सांझा किए। डॉ. कैरो ने कपास उत्पादन में हरियाणा तथा भारत की वर्तमान स्तिथि, चल रहे शोध कार्यों तथा भविष्य में उत्पन होने वाली समस्याओं पर विचार विमर्श किया। सटीक रोपण, उत्तर-दक्षिण उन्मुख पंक्ति दिशा में रोपण से उपज में वृद्धि, सतत उत्पादन के लिये मल्चिंग और जल प्रबंधन के तहत प्लास्टिक मल्चिंग व टपका सिंचाई को अपनाये। संरक्षण जुताई, कवर फसलों, फसल अवशेषों का पुनर्चक्रण, परिशुद्धता व रासायनिक इनपुट प्रबंधन-प्रौद्योगिकिय जगह पर पारिस्थितिक दृष्टिकोण रखे। लघु अवधि की किस्में व अंतर-फसल को अपनाने से लाभ उठाए। सस्य विज्ञान विभाग के प्रमुख डॉ. समुंदर सिंह ने स्वागत व धन्यवाद प्रस्ताव पारित किया। उन्होंने डॉ. कैरो को स्मृति चिन्ह भेंट किया तथा वैज्ञानिकों व छात्र-छात्राओं से किसान कल्याण के लिए कार्य करते रहने को प्रेरित किया। इस अवसर पर सस्य विज्ञान विभाग के प्रमुख, विभाग के वैज्ञानिकगण तथा विद्यार्थी उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण

दिनांक 18.10.2019 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 1-2

10 दिवसीय प्रशिक्षण में 35 विद्यार्थियों ने लिया भाग

प्रशिक्षण के शुभारंभ अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डा. डी.एस. दहिया व अन्य अधिकारी प्रशिक्षणार्थियों के साथ। ● जागरण

हिसार : हरियाणा कृषि विवि के काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सैल द्वारा रिसर्च स्कॉलर्स के लिए स्टेटिस्टिकल डाटा एनेलाइसिस विषय 10 दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ हुआ। इसमें बेसिक साइंस कालेज के कंप्यूटर सेंटर में आयोजित किए जा रहे इस प्रशिक्षण में 35 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया मुख्य अतिथि रहे। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों से थ्योरी के साथ-साथ प्रेक्टिकल करने पर बल दिया जोकि डाटा आंकलन के लिए अत्यंत जरूरी है। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. रामनिवास श्योकंद ने कहा कि इस दस दिवसीय प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थी डाटा एनालिसिस के बारे में जानेगें और अपने शोध कार्यो में इसका उपयोग करेंगे। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू टांक ने भी छात्रों को डाटा एनालिसिस के बारे में बताया। काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सैल के सहनिदेशक डॉ. ओमेन्द्र सांगवान ने निदेशालय की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को इस प्रकार के प्रशिक्षणों में बढ़ चढ़ कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। (जासं)

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम अमर उजाला, दैनिक भास्कर

दिनांक 18.10.2019 पृष्ठ सं. 6, 14 कॉलम 6, 1-2

डाटा विश्लेषण के लिए प्रैक्टिकल जरूरी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट सेल द्वारा रिसर्च स्कॉलर्स के लिए स्टेटिस्टिकल डाटा एनालाइसिस विषय पर 10 दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ हुआ। विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कालेज के कंप्यूटर सेंटर में आयोजित किए जा रहे इस प्रशिक्षण में 35 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं।

इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेंद्र सिंह दहिया मुख्य अतिथि थे। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों से थ्योरी के साथ-साथ प्रैक्टिकल करने पर बल दिया, जोकि डाटा एनालाइसिस के लिए अत्यंत जरूरी है। प्रशिक्षण संयोजक डॉ. रामनिवास श्योकंद ने कहा कि इस दस दिवसीय प्रशिक्षण में प्रशिक्षणार्थी डाटा एनालाइसिस के बारे में जानेंगे और अपने शोध कार्यों में इसका उपयोग करेंगे।

इस अवसर पर विभागाध्यक्ष डॉ. मंजू टांक ने भी छात्रों को डाटा एनालाइसिस के बारे में बताया। काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सहनिदेशक डॉ. ओमेंद्र सांगवान ने निदेशालय की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को इस प्रकार के प्रशिक्षणों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

हकृवि में दस दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सैल द्वारा रिसर्च स्कॉलर्ज के लिए स्टेटिस्टिकल डेटा एनेलाइसिस विषय पर आयोजित 10 दिवसीय प्रशिक्षण आरंभ हुआ। विश्वविद्यालय के बेसिक साइंस कालेज के कंप्यूटर सैंटर में आयोजित किए जा रहे इस प्रशिक्षण में 35 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। इस अवसर पर छात्र कल्याण निदेशक डॉ. देवेन्द्र सिंह दहिया मुख्य अतिथि थे। उन्होंने प्रतिभागी विद्यार्थियों से थ्योरी के साथ-साथ प्रैक्टिकल करने पर बल दिया जोकि डेटा एनेलाइसिस के लिए अत्यंत जरूरी है।